

हमिलयी याक

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (Food Safety and Standard Authority of India- FSSAI) ने हमिलयी याक को 'खाद्य पशु' के रूप में मंजूरी दे दी है।

- इस कदम से पारंपरिक दूध और माँस उद्योग का हस्सिा बनाकर उच्च तुंगता वाले गोजातीय/बोवाइन पशुओं की आबादी में गरिावट को रोकने में मदद मलने की उम्मीद है।
- खाद्य पशु वे हैं जनिहें मनुष्यों द्वारा पाला जाता है और खाद्य उत्पादन या उपभोग के लयि उपयोग कयिा जाता है।

हमिलयी याक

■ परिचय:

- याक **बोवाइन (Bovini)** जनजात से संबधति हैं, जसिमें **बाइसन, भैंस और मवेशी** भी शामिल हैं। यह **-40 डिग्री सेल्सियस** तक के तापमान को सहन कर सकता है।
 - इनके लंबे बाल उच्च उच्च तुंगता वाले क्षेत्रों में रहने हेतु इन्हें अनूकूल बनाते है, जो परदे की तरह अपने पक्षों से लटके रहते हैं। इनके बाल इतने लंबे होते हैं कयिे कभी-कभी जमीन को छूते हैं।
- हमिलयी लोगों द्वारा याक को बहुत अधकि महत्त्व दयिा जाता है। तबिबती कविदंती के अनुसार, तबिबती **बौद्ध धर्म** के संस्थापक **गुरु रनिपोछे** ने सबसे पहले याक को पालतू बनाया था।
 - भारतीय **हमिलयी क्षेत्र** के उच्च तुंगता वाले स्थानों पर उन्हें खानाबदोशों की जीवन रेखा के रूप में भी जाना जाता है।

■ पर्यावास:

- ये तबिबती पठार और उससे सटे उच्च तुंगता वाले क्षेत्रों के लयि स्थानकि हैं।
 - 14,000 फीट से अधकि ऊँचाई पर याक सबसे अधकि आरामदायक स्थिति में रहते हैं। भोजन की खोज में ये 20,000 फीट की ऊँचाई तक चले जाते हैं और प्रायः 12,000 फीट से नीचे नहीं उतरते हैं।
- याक पालन करने वाले भारतीय राज्यों में **अरुणाचल प्रदेश, सकिक्मि, उत्तराखंड, हमिाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर** शामिल हैं।
 - याक की देशव्यापी जनसंख्या प्रवृत्ति दिरशाती है कयिे इनकी आबादी बहुत तेजी से घट रही है। भारत में याक की कुल आबादी लगभग 58,000 है। इसमें वर्ष 2012 में आयोजति पछिली पशुधन गणना से लगभग 25% की गरिावट आई है।
 - इस भारी गरिावट को **बोवडि (मवेशी परिवार का एक सतनपायी) से होने वाले कम पारशिरमकि को ज़मिेदार ठहराया जा सकता है, जो** खानाबदोश प्रकृति वाले याक को पालने एवं उनके रखरखाव एवं हेतु हतोत्साहति करता है।
 - ऐसा मुख्य रूप से इसलयि है कयिेकयिे याक का दूध और माँस पारंपरिक डेयरी तथा माँस उद्योग का हस्सिा नहीं है एवं उनकी बकिरी स्थानीय उपभोक्ताओं तक ही सीमति है।

■ महत्त्व:

- याक स्थानकि **खानाबदोशों के लयि एक बहुआयामी सामाजकि-सांस्कृतकि-आर्थकि भूमकि नभिता है**, जो इन्हें मुख्य रूप से हमिलय क्षेत्र के ऊँचे इलाकों में अन्य कृषि गतिविधियों की कमी के कारण अपने पोषण और आजीविका सुरक्षा अर्जति करने में मदद करते हैं।

■ खतरा:

○ जलवायु परिवर्तन:

- वर्ष के गरम महीनों के दौरान उच्च ऊँचाई पर पर्यावरणीय तापमान में वृद्धकि प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप याक में उष्मागत तनाव (Heat Stress) बढ़ जाता है जो इसकी शारीरिक प्रतिक्रियाओं को प्रभावति कर रहा है।

○ इनब्रीडिंग:

- चूँकि युद्धों और संघर्षों के कारण सीमाएँ बंद हैं इसलयि मूल याक क्षेत्र से नए याक जर्मप्लाज्म (**Germplasm**) की उपलब्धता की कमी के कारण सीमाओं के बाहर पाए जाने वाले याक इनब्रीडिंग से प्रभावति हैं।

■ जंगली याक (*Bos mutus*) की संरक्षण स्थिति:

○ IUCN रेड लसिट: सुभेदय

- IUCN द्वारा याक की **जंगली प्रजातियों को बोस म्यूटस** जबकि **घरेलू प्रजातियों को बोस गूरुनसिंस** के तहत वर्गीकृत करता है।

○ CITES: परिशिष्ट-I

○ भारतीय वनयजीव (संरक्षण) अधनियम 1972: अनुसूची-I

स्रोत: द हट्टि

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/himalayan-yak>

